[This question paper contains 2 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **12056 I**

Unique Paper Code : 6967000029

Name of the Paper : The Gita for Holistic Life

Name of the Course : **Value Added Course (VAC)**

Semester : 1/3

Time : 1 Hour ***Maximum Marks : 30***

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(i) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(ii) Answer may be written either in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तर एक ही भाषा में होने चाहिए।

(iii) First question is compulsory. Attempt any **two** questions from the remaining questions.

पहला प्रश्न अनिवार्य है। शेष प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

P.T.O.

(iv) Each question carries **10** marks.

प्रत्येक प्रश्न **10** अंक का है।

1. Write short notes on any **two** of the following : 5×2=10

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(i) Pañcakośa

पंचकोश

(ii) Daivī-Āsurī Saṁpat

दैवी-आसुरी संपत्

(iii) Kṛṣṇa as Arjuna's Mentor

अर्जुन के मार्गदर्शक कृष्ण

2. How can the concept of Sthitaprajña from the Gītā help us in our lives ? 10

गीता की स्थितप्रज्ञ की अवधारणा किस प्रकार हमारे जीवन में सहायक है ?

3. Explain the modes of learning demonstrated in the teachings of the Gītā. 10

गीता के उपदेश में प्रदर्शित ज्ञानप्राप्ति की विधियों का वर्णन कीजिए।

4. How does the Gītā guide a person to achieve goals in life ? 10

गीता जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त करने में एक व्यक्ति का किस प्रकार मार्गदर्शन करती है ?

***